उपलब्धि

सीएम की उपस्थिति में पीसीडीएम का एनडीडीबी के साथ एमओयू

यूपी वैश्विक डेयरी मानचित्र पर बनाएगा अपनी पहचान : योगी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के तीन डेयरी प्लांट कानपुर, गोरखपुर और कन्नौज तथा अंबेडकरनगर की पशुआहार निर्माणशाला का संचालन राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) करेगा। इसके लिए बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (पीसीडीएफ) ने एनडीडीबी के साथ एमओयू किया।

एनडीडीबी इन ईकाइयों में तकनीकी दक्षता, पारदर्शिता और व्यावसायिकता के मानक स्थापित करेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। दुग्ध क्षेत्र हमारी ग्रामीण

कानपुर, गोरखपुर, अंबेडकरनगर के डेयरी प्लांट एनडीडीबी चलाएगा

अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनेगा। एनडीडीबी जैसे दक्ष व अनुभवी संस्थान को संचालन दिए जाने से इन इकाइयों में तकनीकी कुशलता, व्यावसायिक पारदर्शिता और किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की पशुधन संपदा और दुग्ध उत्पादन की विशाल क्षमता को यदि नियोजित और वैज्ञानिक तरीके से विकसित किया जाए, तो उत्तर प्रदेश न केवल देश का अग्रणी दुग्ध उत्पादक राज्य बन सकता है। बल्कि वैश्विक डेयरी मानचित्र पर भी अपनी अलग पहचान बना सकता है। एनडीडीबी के साथ यह एमओयू उसी दिशा में एक ठोस और व्यावहारिक कदम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध विकास के क्षेत्र में प्रदेश में महिला सशक्तीकरण को नया आयाम मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की उदासीनता और नीति न होने के कारण यह क्षेत्र उपेक्षित रहा। पूर्व की सरकारों में न इच्छाशक्ति थी, न ही दूरदृष्टि। किंतु 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कृषि व संबद्ध क्षेत्रों में क्रांतिकारी नवाचार हुए। इसके परिणाम स्वरूप यह क्षेत्र आज युवाओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रहा है। रोजगार के नये अवसर पैदा हो रहे हैं।

इस अवसर पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष आदि उपस्थित थे।

प्रदेश का लाभकारी मॉडल बनेंगी इकाइयां

एनडीडीबी के चेयरमैन मीनेश शाह ने नोएडा में हुई वर्ल्ड डेयरी समिट 2022 में मुख्यमंत्री की ओर से प्राप्त सहयोग के प्रति आभार जताया। प्रदेश में एनडीडीबी द्वारा संचालित विभिन्न दुग्ध विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिन तीन डेयरी प्लांट और एक पशु आहार निर्माणशाला के संचालन की जिम्मेदारी एनडीडीबी को दी गई है। वे आने वाले सालों में प्रदेश की सबसे लाभकारी और मॉडल ईकाइयों के रूप में स्थापित होंगे।